EDUTECH® ACADEMY
NURTURING THE FUTURE...
— Classes 5 to 10 —

SET A

N 674

Seat No. | | | | | | | |

2026 I 01 1100 – N 674 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

(REVISED COURSE)

Time : 3 Hours **(Pages 9)** **Max. Marks : 80**

---

(1) सूचना के अनुसार गद्‍य, पद्‍य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्य कता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्य कता नहीं है ।
(4) शुद्‍, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

<u>विभाग १ - गद्‍य</u>

Q.1 (अ) निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **8**

गो. प्रसाद : लड़कियों को अधिक पढ़ते की जरुरत नहीं है l सिलाई-पूराई कर ले बस l
रामस्वरूप : हँ-हँ ! (मेज को एक तरफ सरका देते हैं l फिर अंदर के दरवाजे की तरफ मुँह कर जरा जोर से) अरे, जरा पान भिजवा देना... [उमा पान की तश्तरी अपने पिता को देती है l उस समय उसका चेहरा ऊपर को उठ जाता है और नाक पर रखा हुआ सुनहरी रिमावाला चश्मा दिखता है l बाप-बेटे चौंक उठते हैं l]
गो. प्रसाद और शंकर : (एक साथ) चश्मा !!!
रामस्वरूप : (जरा सकपकाकर) जी, वह तो.... वह.... पिछले महीने में इसकी आँखे दुखने लग गई थी, सो कुछ दिनों के लिए चश्मा लगाना पड़ रहा है l
गो. प्रसाद : पढाई-वढाई की वजह से तो नहीं है कुछ ?
रामस्वरूप : नहीं साहब, वह तो मैंने अर्ज किया न l
गो. प्रसाद : हूँ l (संतुष्ट होकर कुछ कोमल स्वर में) बैठो बेटी l
रामस्वरूप : वहाँ बैठ जाओ उमा, उस तख़्त पर, अपने बाजे-वाजे के पास l (उमा बैठती है l)
गो. प्रसाद : चाल में तो कुछ खराबी है नहीं l चहरे पर भी छवि है l..... हाँ, कुछ गाना-बजाना सीखा है ?

1. आकृती पूर्ण कीजिए: (2)

(i)
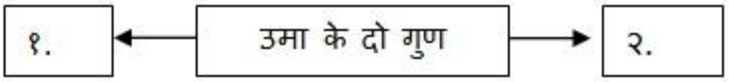

(ii)

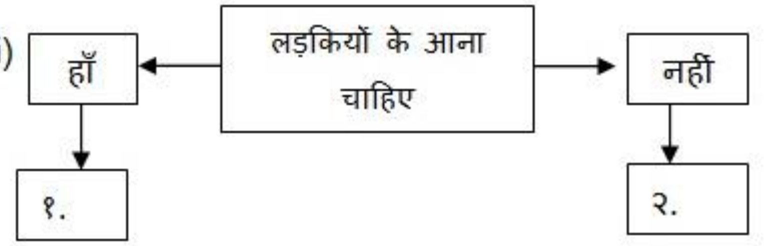

2. एक शब्द में उत्तर लिखिए: (2)

(i) पान कौन लेकर आया?

(ii) गोपाल प्रसाद के अनुसार लडकियों को क्या आना जरुरी है?

(iii) उमा किसके पास जाकर बैठी?

(iv) किस चीजको देखकर गोपाल प्रसाद और शंकर दोनों चौक गए?

3. (i) बताइए के ये कौनसे विशेषण है? (1)

1. अधिक - संख्यावाचक 2. अंदर - गुणवाचक

(ii) निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर लिखिए: (1)

1. बैठ 2. अधिक

4. क्या चश्मा लगाने में कोई बुराई है? अपने जवाब कि पुष्टि कीजिए | (2)

(आ) निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **8**

रात देर हो गयी | सुबह देर तक सोना होगा | सुबह साढ़े पाँच-पौने छह किसी ने दरवाज़ा खटखटाया | नींद टूटी | मैंने बड़ी तेज आवाज़ में कहा - " देर रात को आया हूँ , सोना चाहता हूँ सोने दो | " यह सोचकर कि कोई नौकर चाय लेकर आया होगा जगाने | लेकिन दरवाजे पर दस्तक फिर पड़ी | झुंझलाता जोर से बिगड़ने के मूड में दरवाजे की तरफ बड़ा बडबडाता हुआ | दरवाजा खोला | पाया , बाबू जी खड़े हैं | हमे कुछ न सूझा| माफ़ी माँगी | बेध्यानी में बात कह गया हूँ | वेबोले - " कोई बात नहीं , आओ - आओ | हम लोग साथ-साथ चाय पीते हैं | " हमने कहा - " ठिक है | " बस जल्दी-जल्दी हाथ-मुँह धो चाय के लिए टेबल पर जा पहुँचा| लगा, उन्हें रामकहानी मालूम है पर उन्होंने कोई तर्क नहीं किया | न कुछ जाहिर होने दिया |

1. आकृती पूर्ण कीजिए : (2)

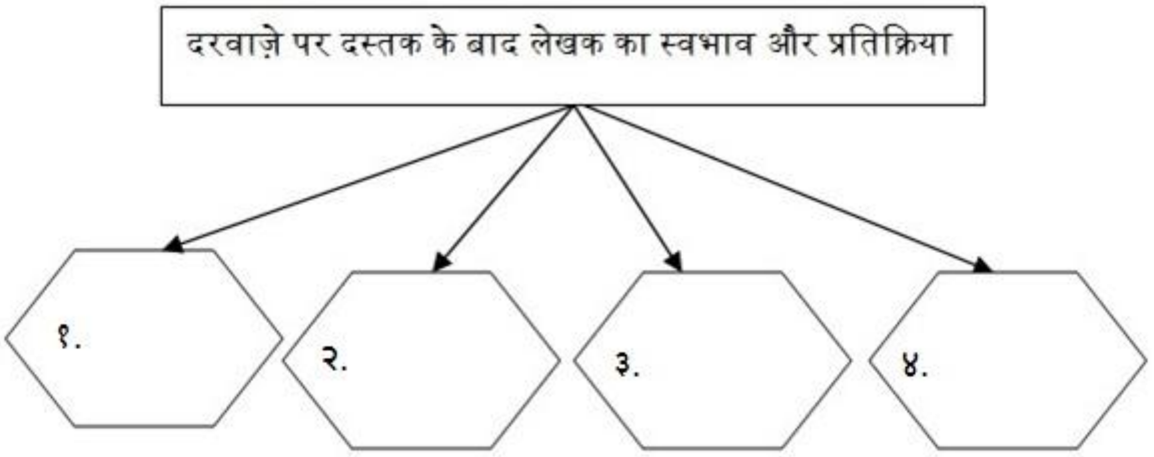

2. एक शब्द में उत्तर लिखिए : (2)

(i) लेखक को लगा कौन चाय लाया होगा ?

(ii) दरवाज़े पर कौन था ?

(iii) किसने माफ़ी मांगी ?

(iv) घर पर देर रात कौन आया था ?

3. (i) निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय लगाकर शब्द लिखिए : (1)

1. रात 2. तेज

(ii) निम्नलिखित शब्दों के संधि विछेद कीजिए : (1)

1. खटखटाया 2. बडबडाता

4. क्या घर देर से आना और सुबह देर तक सोना सही है ? इस विषय में अपने विचार प्रकट कीजिए | (2)

(इ) निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **4**

1. आकृति पूर्ण कीजिए (2)

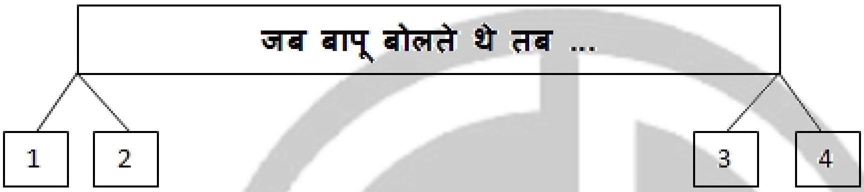

बापू ने अपने समय पर स्नान किया | हम समय के साथ खेल कर सकते थे, पर बापू तो समय के साथ दगाबाजी नहीं कर सकते थे | समय के साथ जो उन्होंने वादा किया था, उसको उन्होंने पूरा किया | उनका हाथ जल गया था | शाम को हमने देखा उनके अंगूठों और तर्जनी पर किसी सफेद किस्म की दवा लगी थी | समय की पाबंदी तो बहुतों ने सिखलाई, पर यह सबक अपना हाथ जलाकर केवल बापू ने सिखाया और ऐसे सिखलाया कि जैसे अपना संदेश हृदय पर दाग दिया | मेरे और साथियों के ऊपर उसका क्या असर हुआ, मैं नहीं जानता पर मुझे उस दिन से प्रमाद नहीं व्यापा |

तब से मोहि न व्यापी माया |

जब कभी ऐसा अवसर आया है कि किसी निश्चित समय पर कोई काम करना या पूरा करना है तो किसी बात या बहाने को बीच में लाकर उसे टालने या उसमें देरी करने को मेरा मन गवारा नहीं कर पाया | मुझे बापू का जला हाथ याद आता है और उनके शब्द मेरे कानों में गूँजने लगते हैं |

"जो काम जिस वक्त करना है, करना, न करना वक्त के साथ दगाबाजी है |"

उस दिनों बापू की हिंदी अच्छी नहीं थी पर वे अपनी अट-पट वाणी में ही अपना सारा आशय कह डालते थे | वे शब्दों में बोलते कहाँ थे, उनका हृदय बोलता था, उनका व्यक्तित्व बोलता था, उनकी साधना बोलती थी और उनके बोल हृदय में घुल जाते थे, कान बेकार खडे रहते थे | मैं बहुत दिन यही समझता रहा कि 'वक्त के साथ दगाबाजी' बापू की अट-पट हिंदी का एक नमूना है | पता नहीं वे क्या कहना चाहते थे और हिंदी में उनको यही शब्द सुलभ हो पाए | पर जब सोचता हूँ बापू बिल्कुल यही कहना चाहते थे और जो वे कहना चाहते थे उसको दूसरो शब्दों में नहीं कहा जा सकता | एक शब्द एक मात्रा से कम में नहीं | बापू बनिए थे, अपने बनिएपन पर उन्हें गर्व था | शायद शब्दों के मामले में वे सबसे अधिक बनिए थे | तोलकर बोलते थे | न जरूरत से ज्यादा, न जरूरत से कम | और हर शब्द सच्चा, खरा, यथार्थ भरा |

2. आप अपने जीवन में वक्त की पाबंदी कैसे अपनाएँगे, स्पष्ट कीजिए | (2)

विभाग २ - पद्य

Q.2 (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ कर सूचना के अनुसार कृतियां कीजिए : **6**

वे हैं सुख साधन से पूरित सुघर घरों के वासी ,
इनके टूटे-फूटे घर में छाई सदा उदासी |
पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती ,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती ||
हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा ,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा |

1. आकृती पूर्ण कीजिए: (2)

कवि ने इन चीजों के बारे में बात की

१.

२.

३

४.

2. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (2)

(i) अमीर के घरों में ____ है | (सुख, उदासी, टूटे)

(ii) गरीब के घरों में ___ है | (सुख, उदासी, टूटे)

(iii) सबका पालन करता ___ है | (माता सम, प्रकृति, ऋतू)

(iv) अमीरों को गरीबों की ___ करनी होगी | (मदद, अधिकार, हिरस)

3. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का सरल भावार्थ लिखिए: (2)

हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा ,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा |

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ कर सूचना के अनुसार कृतियां कीजिए : **6**

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई । बेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई ।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका । साधक मन जस मिले बिबेका ।।
अर्क -जवास पात बिनु भयउ । जस सुराज खल उद्यम गयऊ ।।
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी । करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी ।।
ससि संपन्न सोह महि कैसी । उपकारी कै संपति जैसी ।।
निसि तम घन खद्योत बिराजा । जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ।।

कृषी निरावहिं चतुर कि साना । जिमि बुध तजहिं मोह-मद-माना ।।
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं । कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं ।।
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा । प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा ।।
जहँ-तहँ रहे पथिक थकि नाना । जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना ।।

(1) परिणाम लिखिए : (2)

(i) कलियुग आने से ____________

(ii) सूरज होने से __________

(iii) बरसात के आने से __________

(iv) क्रोध के आने से __________

(2) पद्यांश से ढूँढकर लिखिए : (2)

(i) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन से रूप नहीं बदलता :

(1) ___________

(2) ___________

(ii) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हों :

(1) मेंढक = _______

(2) वृक्ष = _______

(3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। (2)

विभाग ३ - पूरक पठन

Q.3 (अ) पठित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

मुझे याद है... मेरी माँ जब कभी सिरचन को बुलाने के लिए कहती, मैं पहले ही पूछ लेता, "भोग क्या-क्या लगेगा ?"

माँ हँसकर कहती, "जा-जा बेचारा मेरे काम में पूजा-भोग की बात नहीं उठता कभी ।" पड़ोसी गाँव के पंचानंद चौधरी के छोटे लडके को एक बार मेरे सामने ही बेपानी कर दिया था सिरचन ने - "तुम्हारी भाभी नाख़ून खाँटकर तरकारी परोसती है और इमली का रस डालकर कढ़ी तो हम मामूली लोगों की घरवालियाँ बनती हैं । तुम्हारी भाभी ने कहाँ से बनाना सीखी है !"

इसलिए सिरचन को बुलाने के पहले मैं माँ से पूछ लेता... । सिरचन को देखते ही माँ हुलसकर कहती, "आओ सिरचन ! आज नेनू मथ रही थी तो तुम्हारी याद आई । घी की खखोरन के साथ चूड़ा तुमको बहुत पसंद है न....! और बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है, उसकी ननद रूठी हुई है,मोथी की शीतलपाटी के लिए ।"

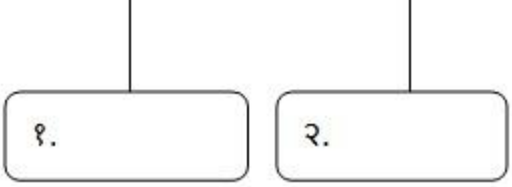

2. लेखक की माँ सिरचन का ध्यान रखती थी | क्या आज के ज़माने में भी ऐसे रिश्ते देखने के लिए मिलते हैं ? (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियां कीजिए : **4**

काँटो के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा ।
भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर ।
खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन ।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए : (2)

	'अ'	"आ'
i)	खिलखिलाता फूल	विषाद
ii)	भीतरी	जल
iii)	खारा	प्रेरणा
iv)	पावन	कुंठा
		मन

(2) काँटों के बीच खिलानेवाला फूल प्रेरणा देता हैं ' विषय पर 20 से 25 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

Q.4 **14**

सुचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) अधोरेखांकित शब्द का शब्द भेद पहचानकर लिखिए : **1**

करामत अली ड्यूटी पर जाने की तैयारी में था ।

(2) निम्नलिखित किसी एक अव्ययों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) नहीं (ii) अभी

(3) कृति पूर्ण कीजिए : (किसी एक) **1**

(i)

शब्द	संधि - विच्छेद	संधि भेद
नंदित		

(ii)

शब्द	संधि - विच्छेद	संधि भेद
———	षट् + मास	———

(4) निम्नलिखित वाक्य में से सहायक क्रियाको पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : (किसी एक) **1**

(i) जाग रहा यह कौन धनुर्धर जबकि भुवन भर सोता है |

(ii) कोई भी आए में चुपचाप पड़ा रहूँगा।

(5) निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए: (किसी एक) **1**

(i) लटकना

(ii) नहाना

(6) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: (किसी एक) **1**

(i) गुजर-बसर होना

(ii) टाँग अड़ाना

अथवा

अधोरेखित वाक्य के लिए उचित मुहावरे का चयन वाक्य फिर से लिखिए : **1**

(कल पड़ना, पानी-पानी होना)

आज वर्षा हुई तो थोड़ा चैन मिला ।

(7) वाक्य में कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :(किसी एक) **1**

(i) चुपचाप अधूरी चिक को देखती रही ।...

(ii) गोपाल ने राधा को बुलाया है।

(8) वाक्यों में विराम चिह्नों का प्रयोग करें **1**

यह घड़ी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी यह बहुत सस्ती है।

(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :(किसी दो) **2**

(i) वे पुस्तक शांति से पढ़ाते हैं। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) शाम के वक़्त झील किनारे टहल रहे थे |(वर्तमान काल)

(iii) आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए : **1**

यही जीवन का सत्य भी है ।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: (किसी एक) **1**

(i) गोवा ! यह नाम सुनते ही सभी का मन तरंगायित हो उठता है। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(ii) तुम लॉगबुक रखते हो ? (आज्ञावाचक वाक्य)

(11) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए : **2**

(i) सामने शेर देखकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया।

(ii) वह मेरे शब्दों पर ध्यान नहीं देता |

विभाग ५ - उपयोजित लेखन

Q.5

(अ) (1) पत्र लिखन:

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र लेखन कीजिये: **5**

मोहन / मोहना जोशी, 5, सुमन स्मृति, डेक्कन जिमखाना, पुणे से अभ्युदय नगर, अंधेरी, मुंबई में अपने मित्र / सहेली को अपने दादा जी के 'अमृत महोत्सव' (७५ वीं वर्षगाँठ) के उपलक्ष्य में निमंत्रण देने हेतु पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

विजय / विजया मोरे, वरदायिनी सोसाईटी, लोकमान्य नगर, सोलापुर से अपने क्षेत्र के विद्‌युत अभियंता को बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत करते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

(2) गद्‌य आकलन - प्रश्न निर्मिति

निम्नलिखित गद्‌य परिच्छेद पढ कर उस पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों : **4**

समय की पाबंदी का उद्‌देश है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निच्छित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना |जो लोग समय के पाबंद होते हैं उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा या किसी के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती बल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त करती है |समय की पाबंदी परने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनाबध्द रीति से करते हैं, और अपने काम के समय का पूरा - पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते है,|ऐसे मनुष्य आमोद-प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे-संबंधियों से मिलने-जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए, उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय की पाबंदी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते हैं, उनका समय इधर - उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा के बोझ की शिकायत करते रहते हैं |

(आ) (1) वृत्तांत लेखन:

नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लेखन कीजिए

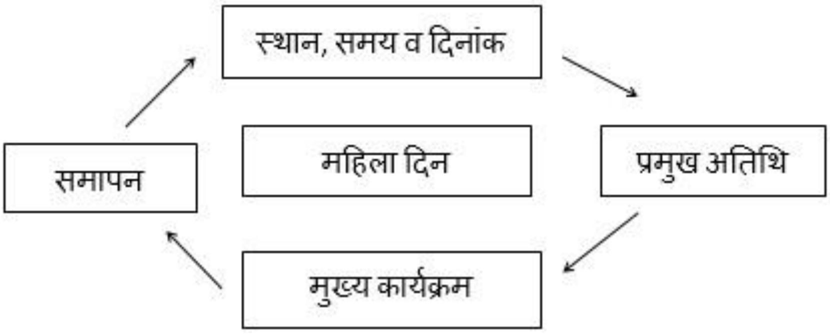

अथवा

कहानी लेखन:

नीचे दिए गये शब्द/आधार पर कहानी लिखिए तथा कहानी से प्राप्त सीख का उल्लेख करते हुए कहानी को उचिर शीर्षक भी दीजिए : **5**

बूढ़ा किसान --- चार बेटे --- चारों आलसी --- किसान हमेशा दुखी, चिंतित ---- बेटों से कहना ---- "खेत में धन"---- किसान की मृत्यु ---- बेटें द्वारा खेत की खुदाई ---- खेत में अच्छी फसल --- - पिता जी की बात का अर्थ जानना.

(2) विज्ञापन लेखन:

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए : **5**

आपकी बच्चों के खिलौनों की दुकान है। अपनी दुकान के प्रचार के लिए 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

(इ) निबंध लेखन:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए : **7**

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) भारतीय संस्कृति

(iii) डिजिटल इंडिया

....All The Best....

EDUTECH ACADEMY
NURTURING THE FUTURE....
SCHOOL SECTION

CIDCO BRANCH
9168 444 999
1ST FLOOR, INFRONT OF BALIRAM PATIL SCHOOL

HARSUL-SAWANGI BRANCH
9168 044 999
1ST FLOOR, INFRONT OF PANAD SUPER MARKET